CHETANA
International Journal of Education (CIJE)
Peer Reviewed/Refereed Journal
ISSN : 2455-8279 (E)/2231-3613 (P)
Impact Factor
SJIF 2026-8.584

Prof. A.P. Sharma
Founder Editor, CIJE
(25.12.1932 - 09.01.2019)

ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफार्म पर साइबर ठगी के प्रति स्नातक स्तर के विद्यार्थियों की जागरूकता का अध्ययन

पारूल शेखावत
बी.एड. एम.एड. छात्रा
डॉ. तृप्ती सैनी
असोसिएट प्रोफेसर
बियानी गर्ल्स बी.एड. कॉलेज, जयपुर
Email : parul89shekhawat@gmail.com, Mobile- 9079917905

First draft received: 18.04.2026, Reviewed: 22.04.2026
Final proof received: 15.05.2026, Accepted: 23.06.2026

सार-संक्षेप

वर्तमान डिजिटल युग में ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म जैसे Amazon, Flipkart तथा Meesho के व्यापक उपयोग ने उपभोक्ताओं, विशेषतः स्नातक स्तर के विद्यार्थियों, के जीवन में सुविधा, तीव्रता एवं सरलता प्रदान की है। किंतु इन प्लेटफॉर्मों के बढ़ते उपयोग के साथ साइबर ठगी, फिशिंग, फर्जी वेबसाइट, ब्च् फ्रॉड तथा डिजिटल भुगतान धोखाधड़ी जैसी समस्याएँ भी तेजी से बढ़ी हैं। ऐसे परिदृश्य में विद्यार्थियों में साइबर सुरक्षा एवं सतर्कता के प्रति जागरूकता का अध्ययन अत्यंत आवश्यक हो जाता है। प्रस्तुत शोधपत्र "ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म पर साइबर ठगी के प्रति स्नातक स्तर के विद्यार्थियों की जागरूकता का अध्ययन" इसी आवश्यकता की पूर्ति हेतु किया गया है। इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य स्नातक स्तर के विद्यार्थियों में ऑनलाइन शॉपिंग से संबंधित साइबर ठगी के प्रति जागरूकता, सुरक्षा उपायों के ज्ञान तथा सतर्कता स्तर का अध्ययन करना है। साथ ही ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों के मध्य जागरूकता स्तर की तुलनात्मक समीक्षा भी की गई है। अध्ययन में 200 विद्यार्थियों (100 ग्रामीण एवं 100 शहरी) का चयन सुविधाजनक नमूना विधि द्वारा किया गया। तथ्यों के संकलन हेतु स्वनिर्मित प्रश्नावली का प्रयोग किया गया, जिसकी वैधता एवं विश्वसनीयता सुनिश्चित की गई। प्राप्त आँकड़ों के विश्लेषण हेतु मध्यमान, माध्यिका, बहुलक, मानक विचलन तथा t–परीक्षण का उपयोग किया गया। अध्ययन के निष्कर्षों से ज्ञात हुआ कि विद्यार्थियों में ऑनलाइन शॉपिंग से संबंधित साइबर ठगी के प्रति सामान्य जागरूकता विद्यमान है, किंतु उन्नत सुरक्षा उपायों, फिशिंग पहचान, डेटा संरक्षण एवं डिजिटल सावधानियों के प्रति पर्याप्त जानकारी का अभाव है। ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों के जागरूकता स्तर में सार्थक अंतर नहीं पाया गया, जिससे यह स्पष्ट होता है कि दोनों वर्गों में साइबर सुरक्षा शिक्षा की समान आवश्यकता है। अध्ययन यह भी इंगित करता है कि केवल तकनीकी उपयोग पर्याप्त नहीं है, बल्कि सुरक्षित डिजिटल व्यवहार, जागरूकता एवं प्रशिक्षण भी अनिवार्य है।

मुख्य शब्दः *ऑनलाईन शॉपिंग प्लेटफॉर्म, साइबर ठगी, जागरूकता, स्नातक स्तर के विद्यार्थी, डिजिटल सुरक्षा.*

प्रस्तावना

वर्तमान युग को सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT) का युग माना जाता है, जिसमें विज्ञान और तकनीकी के निरंतर विकास ने मानव जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों को गहराई से प्रभावित किया है। पहले जहां किसी भी प्रकार की जानकारी प्राप्त करना कठिन और समय लेने वाला कार्य था, वहीं आज इंटरनेट और डिजिटल साधनों के माध्यम से यह कार्य कुछ ही क्षणों में संभव हो गया है। इंटरनेट आधुनिक युग की एक क्रांतिकारी खोज है, जिसने न केवल सूचना के आदान–प्रदान को सरल बनाया है, बल्कि समाज की पूरी कार्यप्रणाली को बदलकर रख दिया है। वर्तमान समय में इंटरनेट केवल सूचना प्राप्त करने का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि यह शिक्षा, व्यापार, बैंकिंग, संचार, मनोरंजन और प्रशासन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में एक महत्वपूर्ण साधन बन चुका है। शिक्षा के क्षेत्र में ऑनलाइन कक्षाएं, डिजिटल पुस्तकालय और ई–लर्निंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से ज्ञान प्राप्त करना अधिक सुलभ और प्रभावी हो गया है, वहीं व्यापार के क्षेत्र में ई–कॉमर्स के माध्यम से वस्तुओं और सेवाओं का क्रय–विक्रय घर बैठे संभव हो गया है। बैंकिंग प्रणाली में भी इंटरनेट ने क्रांतिकारी परिवर्तन लाते हुए ऑनलाइन लेन–देन, मोबाइल बैंकिंग और डिजिटल भुगतान जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं, जिससे समय और श्रम दोनों की बचत होती है। संचार के क्षेत्र में ईमेल, सोशल मीडिया और वीडियो कॉलिंग ने दूरियों को समाप्त कर दिया है, जबकि मनोरंजन के क्षेत्र में ऑनलाइन गेम्स, फिल्में और संगीत ने नए आयाम स्थापित किए हैं। इसके साथ ही ई–गवर्नेंस के माध्यम से सरकारी सेवाएं भी ऑनलाइन उपलब्ध हो रही हैं, जिससे पारदर्शिता और कार्यक्षमता में वृद्धि हुई है। इंटरनेट और डिजिटल तकनीक के विकास ने डिजिटल क्रांति को जन्म दिया है, जिसके परिणामस्वरूप मानव जीवन की गति अत्यंत तेज हो गई है और वे कार्य, जिनमें पहले कई दिन या सप्ताह लगते थे, आज कुछ ही मिनटों में पूरे हो जाते हैं। इस परिवर्तन ने समाज के आर्थिक और सामाजिक ढांचे को भी प्रभावित किया है, जिससे नए रोजगार के अवसर उत्पन्न हुए हैं और वैश्विक स्तर पर संपर्क स्थापित करना आसान हो गया है। हालांकि, इस डिजिटल युग के अनेक लाभों के साथ–साथ कुछ चुनौतियाँ भी सामने आई हैं, जैसे साइबर अपराध, डेटा चोरी, गोपनीयता का खतरा और डिजिटल विभाजन, जिन्हें दूर करने के लिए जागरूकता और सावधानी आवश्यक है। इस प्रकार, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का यह युग मानव जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण और उपयोगी सिद्ध हुआ है, जिसने जीवन को अधिक सरल, तेज और सुविधाजनक बनाते हुए भविष्य के विकास के नए मार्ग खोल दिए हैं।

अध्ययन का औचित्य

भारत में प्रत्येक 10 मिनट में ऑनलाईन शॉपिंग प्लेटफार्म पर 1 साइबर ठगी होती है। साल 2018 से पहले 6 महीनों में प्रत्येक 10 मिनट पर एक साइबर ठगी होने की बात सामने आई है। अब यह आँकड़ा दोगुना हो गया है। इसमें ऑनलाइन धोखाधड़ी, स्कैम, फिशिंग जैसे अपराध शामिल हैं।

साइबर ठगी से बचने के लिए विद्यार्थियों तथा नागरिकों को जागरूक होना आवश्यक है। अतः शिक्षा के द्वारा साइबर ठगी के बारे में विद्यार्थियों को जागरूक करना जरूरी है।

अतः शोधार्थी ने साइबर ठगी के प्रति जागरूकता संबंधी जानकारी प्राप्त करने के उद्देश्य से इस समस्या को शोध समस्या के रूप में चयन किया है।

संबंधित साहित्य

अशोकिया एम (2010): ने एनहान्सिंग नेशनल डवलमेंट एंड ग्रोथ थ्रो कॉम्बेटिंग साइबर फ्रॉड ए कम्पेरेटिव एप्रोच नामक विषय पर अध्ययन

किया। इनका प्रमुख उद्देश्य शिक्षा के स्तर पर विद्यार्थियों का साइबर क्राइम के प्रति दृष्टिकोण का निरीक्षण करना था। इन्होनें निष्कर्ष में पाया कि विद्यार्थियों का दृष्टिकोण अलग–अलग प्रकार का पाया जाता है। इसे जागरूकता से कम किया जा सकता है।

सक्सेना, समिता और रॉय, पियुष क्रान्ति (2012) ने ''ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑन दा अवेयरनेस'' बिटविन टेक्नीकल एंड नॉन टेक्नीकल कॉलेज स्टुडेन्ट्स टुबकिस साइबर क्राइम नामक विषय पर अध्ययन किया। इनका उद्देश्य कॉलेज विद्यार्थी का साइबर क्राइम नामक विषय पर अध्ययन किया। इनका उद्देश्य कॉलेज विद्यार्थी का साइबर क्राइम जागरूकता के स्तर का पता लगाना था। तकनीकी व नॉन तकनीकी महिला व पुरूष में साइबर क्राइम जागरूकता स्तर को मापना। इन्होंने निष्कर्ष में पाया कि तकनीकी विद्यार्थी साइबर क्राइम के प्रति अधिक जागरूक है कि बजाय नॉन तकनीकी विद्यार्थियों के।

अर्पणा और चौहान मीनल (2012) ने प्रिवेक्टिंग साइबर क्राइमः ए स्टडी रिर्गाडिंग अवेयरनेस ऑफ साइबर क्राइम इन ट्रिसिटी नामक विषय पर अध्ययन किया। इन्होनें ट्रिसिटी में साइबर जागरूकता का विश्लेषण किया और पाया कि यदि साइबर क्राइम विश्लेषण किया और पाया कि यदि साइबर क्राइम जागरूकता होती तो साइबर क्राइम में कमी होगी।

सिंह जे (2013): ने ''टू एनलाइज साइबर क्राइम अवेयरनेस ऑफ क्लास x 1 स्टुडेन्टस नामक विषय पर अध्ययन किया। इनका उदे श्य बठिण्डा जिले के 11वीं कक्षा के विद्यार्थियों में साइबर क्राइम के प्रति जागरूकता का पता लगाना था।

निष्कर्ष

इन्होनें पाया कि साइबर क्राइम के प्रति जागरूकता लड़के एवं लडकियों में समान पायी जाती है।

सुकन्या के पी. एंड राजु सी.वी. (2017) ने साइबर लॉ अवेयरनेस अमॉग युथ ऑफ मालप्यूरम डिस्ट्रिक्ट नामक विषय पर अध्ययन किया।

उद्देश्य

सूचना तकनीकी एक्ट के बारे में जानकारी व जागरूकता का पता लगाना। साइबर स्पेस में हो रहे साइबर क्राइम के बारे में युथ की जानकारी का पता लगाना। यूथ की कम्प्यूटर सुरक्षा के बारें में जानकारी का अध्ययन करना।

साहित्य विवेचना

प्रस्तुत शोध में "ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफार्म पर साइबर ठगी के प्रति स्नातक स्तर के विद्यार्थियों की जागरूकता का अध्ययन" का अध्ययन करना है, इससे सम्बन्धित अध्ययन निम्न है अशोकिया एम (2010), सक्सेना, समिता और रॉय, पियुष क्रान्ति (2012), अर्पणा और चौहान मीनल (2012), सिंह जे (2013), सुकन्या के पी. एंड राजु सी.वी. (2017) अतः शोध अध्ययनों में साइबर ठगी जागरूकता हेतु अनेक शोध अध्ययन किये गये है। उपरोक्त अध्ययन भारत के अलग–अलग राज्यों में किय गये है, परन्तु राजस्थान राज्य में शोधार्थी द्वारा जयपुर क्षेत्र के स्नातक विद्यार्थियों की ऑनलाइन शॉपिग प्लेटफार्म पर साइबर ठगी के प्रति जागरूकता के अध्ययन मे रूचि करते हुये उपरोक्त शीर्षक का चयन किया है।

समस्या कथन

ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफार्म पर साइबर ठगी के प्रति स्नातक स्तर के विद्यार्थियों की जागरूकता का अध्ययन

शोध प्रश्न

1. क्या स्नातक विद्यार्थी ऑनलाईन शॉपिंग पर होने वाली ठगी से परिचित है?
2. क्या वे सुरक्षा उपाय अपनाते है?
3. क्या ग्रामीण व शहरी विद्यार्थियों में जागरूकता में अन्तर है?
4. क्या विद्यार्थियों को फिशिंग, ओ.टी.पी. फॉर्ड तथा फेक वेबसाईट की पहचान का ज्ञान है?

शोध अध्ययन के उद्देश्य

1. ऑनलाइन शॉपिग प्लेटफार्म पर साइबर ठगी के प्रति स्नातक स्तर के विद्यार्थियों में साइबर ठगी के प्रकारों के ज्ञान का अध्ययन करना।
2. ऑनलाइन शॉपिग प्लेटफार्म पर साइबर ठगी के प्रति स्नातक स्तर के विद्यार्थियों सतर्कता स्तर का अध्ययन करना।
3. ऑनलाइन शॉपिग प्लेटफार्म पर साइबर ठगी के प्रति स्नातक स्तर के विद्यार्थियों में साइबर सुरक्षा उपायों के ज्ञान का अध्ययन करना।

परिकल्पना–1

ऑनलाइन शॉपिग प्लेटफार्म पर साइबर ठगी के प्रति स्नातक स्तर के विद्यार्थियों में साइबर ठगी के प्रकारों के ज्ञान के प्रति जागरूकता में सार्थक अन्तर नही है।

सारणी–1

साइबर ठगी के प्रकारों की प्रति जागरूकता

समूह	N	माध्य	माध्यिका	बहुलक	मानक विचलन	t वेल्यु
ग्रामीण	100	10.36	10.20	9.80	2.18	1.74
शहरी	100	10.89	10.75	10.60	2.09	

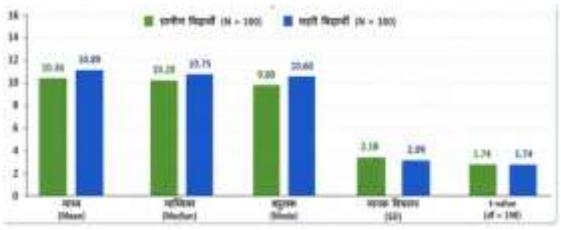

व्याख्या एवं विश्लेषण

उपर्युक्त ग्राफ से स्पष्ट होता है कि ऑनलाइन शॉपिग प्लेटफार्म पर ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के स्नातक विद्यार्थियों में साइबर ठगी के प्रति सूरक्षा जागरूकता के ज्ञान के प्रति ग्रामीण विद्यार्थियों का माध्य 10.36 एवं शहरी विद्यार्थियों का माध्य 10.89 प्राप्त हुआ है। इससे यह ज्ञात होता है कि दोनो समूहों में ऑनलाइन शॉपिग पर साइबर ठगी के प्रति जागरूकता का स्तर लगभग समान है। माध्यिका तथा बहुलक के मान भी एक–दूसरे के निकट है, जिससे स्पष्ट होता है कि अधिकांश विद्यार्थियों की प्रतिक्रियाए एक समान स्तर पर केन्द्रित है। मानक विचलन के मान से यह भी स्पष्ट होता है कि दोनों समूहो के उत्तरों में बहुत अधिक फैलाव नही है। टी–प्ररीक्षण के परिणाम के अनुसार t का मान 1.74 है जो कि सारणी के मान से कम है, इसलियें निष्कर्ष निकाला जाता है कि ऑनलाइन शॉपिग प्लेटफार्म पर साइबर ठगी के प्रति ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के स्नातक विद्यार्थियों की जागरूकता में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

परिकल्पना–2

ऑनलाईन शॉपिग प्लेटफार्म पर साइबर ठगी के प्रति स्नातक स्तर के ग्रामीण व शहरी विद्यार्थियों में साइबर ठगी सतर्कता जागरूकता में सार्थक अन्तर नही है।

सारणी–2

सतर्कता जागरूकता

समूह	N	माध्य	माध्यिका	बहुलक	मानक विचलन	t वेल्यु
ग्रामीण	100	10.18	10.00	9.70	2.12	1.69
शहरी	100	10.71	10.55	10.30	2.05	

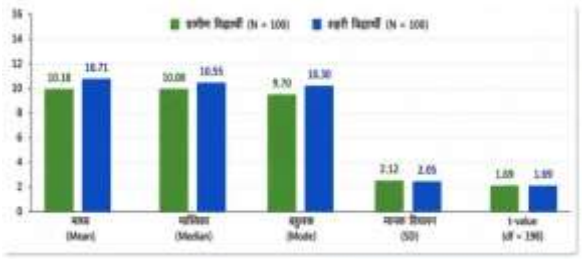

व्याख्या एवं विश्लेषण

उपर्युक्त ग्राफ से स्पष्ट होता है कि ऑनलाइन शॉपिग प्लेटफार्म पर ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के स्नातक विद्यार्थियों में साइबर ठगी के प्रति सूरक्षा जागरूकता के ज्ञान के प्रति ग्रामीण विद्यार्थियों का माध्य 10.18 एवं शहरी विद्यार्थियों का माध्य 10.71 प्राप्त हुआ है। इससे यह ज्ञात होता है कि

दोनो समूहों में ऑनलाइन शॉपिग पर साइबर ठगी के प्रति जागरूकता का स्तर लगभग समान है। माध्यिका तथा बहुलक के मान भी एक–दूसरे के निकट है, जिससे स्पष्ट होता है कि अधिकांश विद्यार्थियों की प्रतिक्रियाए एक समान स्तर पर केन्द्रित है। मानक विचलन के मान से यह भी स्पष्ट होता है कि दोनों समूहो के उत्तरों में बहुत अधिक फैलाव नही है। टी–प्ररीक्षण के परिणाम के अनुसार t का मान 1.69 है जो कि सारणी के मान से कम है, इसलियें निष्कर्ष निकाला जाता है कि ऑनलाइन शॉपिग प्लेटफार्म पर साइबर ठगी के प्रति ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के स्नातक विद्यार्थियों की जागरूकता में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

परिकल्पना–3

ऑनलाइन शॉपिग प्लेटफार्म पर साइबर ठगी के प्रति स्नातक स्तर के ग्रामीण व शहरी विद्यार्थियों में जागरूकता में सार्थक अन्तर नही है।

सारणी 1

सुरक्षा जागरूकता

समूह	N	माध्य	माध्यिका	बहुलक	मानक विचलन	t वेल्यु
ग्रामीण	100	10.28	10.10	9.90	2.16	1.63
शहरी	100	10.82	10.60	10.40	2.07	

व्याख्या एवं विश्लेषण

उपर्युक्त ग्राफ से स्पष्ट होता है कि ऑनलाइन शॉपिग प्लेटफार्म पर ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के स्नातक विद्यार्थियों में साइबर ठगी के प्रति सूरक्षा जागरूकता के ज्ञान के प्रति ग्रामीण विद्यार्थियों का माध्य 10.28 एवं शहरी विद्यार्थियों का माध्य 10.82 प्राप्त हुआ है। इससे यह ज्ञात होता है कि दोनो समूहों में ऑनलाइन शॉपिग पर साइबर ठगी के प्रति जागरूकता का स्तर लगभग समान है। माध्यिका तथा बहुलक के मान भी एक–दूसरे के निकट है, जिससे स्पष्ट होता है कि अधिकांश विद्यार्थियों की प्रतिक्रियाए एक समान स्तर पर केन्द्रित है। मानक विचलन के मान से यह भी स्पष्ट होता है कि दोनों समूहो के उत्तरों में बहुत अधिक फैलाव नही है। टी–प्ररीक्षण के परिणाम के अनुसार t का मान 1.63 है जो कि सारणी के मान से कम है, इसलियें निष्कर्ष निकाला जाता है कि ऑनलाइन शॉपिग प्लेटफार्म पर साइबर ठगी के प्रति ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के स्नातक विद्यार्थियों की जागरूकता में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

कार्यप्रणाली

शोध विधि

प्रस्तुत अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है। इस विधि के अन्तर्गत ऑनलाइन शॉपिग प्लेटफार्म पर साइबर ठगी के प्रति स्नातक स्तर के विद्यार्थियों की जागरूकता का अध्ययन किया गया है।

न्यादर्श

200 विद्यार्थी (100 ग्रामीण व 100 शहरी)

जनसंख्या

प्रस्तुत अध्ययन में जयपुर के महाविद्यालयों में अध्ययनरत स्नातक स्तर के विद्यार्थियों के जनसंख्या के रूप में लिया गया है।

शोध उपकरण

स्वनिर्मित प्रश्नावली (Yes/No आधारित)– 45 प्रश्न

विश्वसनीयता

प्रश्नावली की विश्वसनीयता ज्ञात करने हेतु अर्ध–विभाजन विधि का उपयोग किया गया। प्रश्नों को दो भागो (Odd & Even) में विभाजित कर दोनों के बीच सहसंबंध (r=0-70) निकाला गया। स्पियरमेन–ब्राउन सूत्र के अनुसार विश्वसनीयता गुणांक 0.82 प्राप्त हुआ, जो यह दर्शाता है कि प्रश्नावली उच्च स्तर की विश्वसनीय है।

वैधता

प्रस्तुत अध्ययन में प्रयुक्त प्रश्नावली की वैधता ज्ञात करने हेतु विषय विशेषज्ञों की राय ली गयी। कुल 4 विशेषज्ञों द्वारा प्रश्नों का परीक्षण किया गया, जिनमें से 3 विशेषज्ञों ने अधिकांश प्रश्नों को उपयुक्त माना। इस आधार पर Content Validity Index (CVI) का मान 0.80 प्राप्त हुआ, जो यह दर्शाता है कि प्रश्नावली विषयवस्तु की दृष्टि से पर्याप्त रूप से वैध है।

शोध साख्यिकी

इस प्रस्तुत अध्ययन में सांख्यिकी के रूप में टी–टेस्ट विधि का प्रयोग किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन में संकलित आंकडो के विश्लेषण हेतु वर्णनात्मक सांख्यिकी के अन्तर्गत माध्य (Mean) , माध्यिका (Median), बहुलक (Mode), मानक विच का प्रयोग किया गया है।

डेटा विश्लेषणः

प्रस्तुत अध्ययन में आनलाईन शॉपिग प्लेटफार्म पर साईबर ठगी के प्रति स्नातक स्तर के विद्यार्थियो के जागरूकता का अध्ययन किया गया है। इसके लिये संकलित आंकडो का विश्लेषण सांख्यिकी विधियों माध्य, माध्यिका, बहुलक मानक विचलन तथा टी–परीक्षण द्वारा किया गया है। इसमें तीनो आयाम ज्ञानात्मकता, सर्थकता, सूरक्षा के आधार पर विश्लेषण किया गया है, तीनो आयामों शहरी विद्यार्थियों का औसत ग्रामीण विद्यार्थियों की अपेक्षा थोड़ा अधिक पाया गया है, किन्तु माध्यिका, बहुलक एवं मानक विचलन विश्लेषण से यह स्पष्ट हुआ है कि दोनो समूहो के आंकडो में बहुत अधिक अन्तर नही है। सभी आयामों टी–वेल्यू 2 से कम प्राप्त हुयी है। अतः ग्रामीण व शहरी विद्यार्थियों के मध्य साइबर ठगी के प्रति जागरूकता में सार्थक अन्तर नहीं है।

परिणामः

अध्ययन से यह पाया गया है कि शहरी विद्यार्थियों का साइबर ठगी के प्रति जागरूकता स्तर ग्रामीण विद्यार्थियों की अपेक्षा थोड़ा अधिक पाया गया है। तीनों आयामों के आधार पर ज्ञानात्मकता, सतर्कता एवं सुरक्षा में औसत अंक शहरी विद्यार्थियों के अधिक पाये गये है, किन्तु टी–परीक्षण में टी–वेल्यु 2 से कम प्राप्त हुयी है, जिससे यह स्पष्ट है कि दोनो समुहो (ग्रामीण व शहरी) में सार्थक अन्तर नही है।

निष्कर्षः

इस अध्ययन से यह निष्कर्ष निकलता है कि स्नातक स्तर के विद्यार्थियों में ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफार्म का उपयोग व्यापक रूप से किया जा रहा है, परंतु साइबर ठगी के प्रति ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के स्नातक विद्यार्थियो की जागरूकता में सार्थक अतंर नही है। इस प्रकार के विश्लेषण से पता चलता है कि जागरूकता की दिशा में अभी भी सूधार की आवश्यकता है और विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्र पर ध्यान केन्द्रित करना आवश्यक है जहॉ जागरूकता कम है।

शैक्षिक निहितार्थ

इस अध्ययन के निष्कर्षो के आधार पर यह स्पष्ट होता है कि ग्रामीण एवं शहरी दोनो क्षेत्रों के स्नातक विद्यार्थियों मे ऑनलाईन शॉपिग प्लेटफार्म पर साईबर ठगी के प्रति जागरूकता के स्तर में सार्थक अन्तर नही है। अतः शिक्षा के क्षेत्र में साईबर सुरक्षा को ओर अधिक प्रभावी रूप से शामिल करनें की आवश्यकता है। महाविद्यालयों में डिजीटल साक्षरता एवं साईबर सूरक्षा से सम्बन्धित विषयों को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाना चाहियें और इसके साथ ही विद्यार्थियों को ऑनलाईन लेन–देन के दौरान आवश्यक सावधानी की जानकारी मिल सकें। अतः यह अध्ययन शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिये उपयोगी सिद्ध हो सकता है।

सन्दर्भ ग्रंथ सूची

1. **Anderson, R. (2020)**
Security Engineering: A Guide to Building Dependable Distributed Systems.
Cambridge: Cambridge University Press.

2. **Brenner, S.W. (2018)**
Cybercrime and the Law: Challenges, Issues, and Outcomes.
Boston: Northeastern University Press.

3. **Kshetri, N. (2021)**
Cybercrime **and** Cybersecurity in the Global

Economy.
New York: Springer Publications.

4. **Wall, D.S. (2017)**
Cybercrime: The Transformation of Crime in the **Information** Age.
Cambridge: Polity Press.

5. **Whitman, M.E. & Mattord, H.J. (2019)**
Principles of Information Security.
Boston: Cengage Learning.

6. https://www.cybercrime.gov.in
osc fyad

7. National Cyber Crime Reporting Portal

8. https://www.meity.gov.in
Ministry of Electronics and IT (India)

9. https://www.rbi.org.in
Reserve Bank of India (Safe Digital Payment Guidelines)

10. https://www.cert-in.org.in
Indian Computer Emergency Response Team

11. https://staysafeonline.org

12. Global Cyber Safety Awareness